दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२५३ | मुंबई, शुक्रवार २१ नवंबर २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

वसई में छात्रा की मौत का मामला पहुंचा हाई कोर्ट,

100 उठक-बैठक लगाने से गई थी जान

पालघर जिले के वसई की 13 वर्षीय छात्रा काजल गौड़ की दर्दनाक मौत ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर दिया है। मात्र 10 मिनट देर से स्कूल पहुंचने पर उसे 100 सिट-अप्स की सजा दी गई, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ती चली गई और अंततः जेजे अस्पताल में इलाज के दौरान 14 नवंबर को उसकी मौत हो गई। यह घटना गंभीर लापरवाही और शारीरिक सजा की अमानवीयता को उजागर करती है।

इस मामले में अब बॉम्बे हाई कोर्ट में एक पिटीशन दायर की गई है। वकील स्वप्ना प्रमोद कोडे ने चीफ जस्टिस चंद्रशेखर को संबोधित यह याचिका दायर कर कोर्ट से मामले में स्वयं संज्ञान लेने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह सिर्फ एक बच्ची की मौत का मामला नहीं, बल्कि मानवता और संवैधानिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। याचिका में मांग की गई है कि स्कूल के संचालन, नियमों के उल्लंघन और इस घटना से संबंधित हर पहलू की पड़ताल के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई जाए। साथ ही स्कूल प्रबंधन और आरोपी टीचर ममता यादव के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने की अपील की गई है, ताकि जिम्मेदार व्यक्तियों को सजा मिल सके। याचिका के अनुसार, 8 नवंबर 2025 को क्लास 6 की छात्रा काजल स्कूल 10 मिनट देर से पहुंची। आरोप है कि टीचर ने उसे 100 सिट-अप्स करने की कठोर सजा दी। घर लौटने के बाद काजल की तबीयत तेजी से बिगड़ी। पहले उसे वसई के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे जेजे हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां 14 नवंबर को उसकी मौत हो गई। वालिव पुलिस ने अब तक केवल एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (ADR) दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि वे फॉरेंसिक रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहे हैं, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बहुमत BJP का, मोल नीतीश का— पटना में 'जनादेश' नहीं, 'समर्पण' शपथ

सईद शेख

बिहार में जो सरकार बनी है, उसे महज सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी की मजबूरी का दस्तावेज भी कहा जा सकता है। पूरा चुनाव बिना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए लड़ने वाली बीजेपी चुनाव परिणाम आते ही उसी नेता के आगे झुक गई, जिसके नाम को वह पूरे प्रचार अभियान में पीछे खिसकाती रही–नीतीश कुमार। चुनाव के दौरान पार्टी के भीतर 'सबसे बड़ा दल हमारा, तो मुख्यमंत्री हमारा' की आवाजें उठीं, लेकिन नतीजों के बाद सारी आवाजें अचानक थम गईं। जिस ट्विस्ट–नीतीश कुमार का विवादित बयान–को लेकर बीजेपी ने पूरा माहौल गर्म किया था, चुनाव परिणाम आते ही उसे पार्टी की आधिकारिक सोशल मीडिया से डिलीट करवा दिया गया। यह वही क्षण था जब सत्ता का पूरा संतुलन साफ हो गया कि बिहार में सरकार की चाबी अभी भी नीतीश कुमार के हाथों में ही है। पटना के गांधी मैदान में होने वाला शपथ ग्रहण समारोह भी इस मजबूरी का प्रतीक बन गया। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी के बावजूद नीतीश कुमार की देहभाषा विजेता जैसी नहीं, बल्कि ऐसे नेता की तरह दिखी जो सत्ता के केंद्र में बैठा तो है, पर भरोसा किसी और की शक्ति पर ही टिका है। प्रधानमंत्री बार-बार उठकर मंत्रियों का अभिवादन करते रहे, जबकि नीतीश कुमार वहीं बैठे रहे। लेकिन इस औपचारिक ठहराव के पीछे एक राजनीतिक सच्चाई साफ झलकती रही–बीजेपी चाहकर भी उनकी जगह किसी और को नहीं ला सकती थी। बीजेपी के पास 2005 से 2025 तक की राजनीति का एक ही अनुभव रहा है–बिहार में सत्ता का दरवाजा नीतीश कुमार से होकर ही गुजरता है। इस बार भी वही हुआ। पार्टी ने अपने 200 सांसदों, विधायकों, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्री-स्तरीय चेहरे चुनाव प्रचार में झोंक दिए, लेकिन अंत में जो हासिल हुआ, वह वही था जो नीतीश के साथ रहते हुए हमेशा मिलता रहा। नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए साफ कर दिया कि बिहार की सत्ता में उनकी भूमिका सिर्फ 'आवश्यक' नहीं, 'अनिवार्य' है। उनका कमजोर स्वास्थ्य, पार्टी का कम होता जनाधार, या बीजेपी का बढ़ता ग्राफ–इनमें से कोई भी परिस्थिति इतनी निर्णायक नहीं निकली कि बीजेपी बिहार में सत्ता पर अपनी पकड़ कस सके। जो पार्टी महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में बिना हिचक मुख्यमंत्री बदल देती है, वही बिहार में अपने सबसे बड़े नेता को उप मुख्यमंत्री की कुर्सी पर ही रोक कर बैठ गई। सम्राट चौधरी उप मुख्यमंत्री बनाए गए, विजय सिन्हा भी डिप्टी सीएम बने–लेकिन मुख्यमंत्री का सवाल आते ही बीजेपी पीछे हटती दिखाई दी। चुनाव से पहले बनाया गया नैरेटिव–'विधायक दल तय करेगा'–वास्तव में महज़ औपचारिकता साबित हुआ। नतीजे आते ही पूरा एनडीए विधायक दल बिना किसी चर्चा के नीतीश कुमार के नाम पर एकमत हो गया। यह एकमतता नहीं, राजनीतिक विवशता थी। मंच पर मौजूद भीड़, नेताओं के हावभाव, बीजेपी के झंडों की मौजूदगी–सबके बीच जो सबसे अधिक अनुपस्थित था, वह था उत्साह। यह उत्साहीनता भी बताती है कि नए जनादेश में बदलाव का जो दावा किया गया था, वह सिर्फ चुनावी नारा था। जनता की जिंदगी, राज्य की अर्थव्यवस्था और शासन की दिशा में कोई बड़ा मोड़ नजर नहीं आया।

बिहार में पुल, फ्लाईओवर, सड़कें जरूर बनीं, लेकिन आज भी लाखों लोग छठ के बाद अपनी-अपनी गाड़ियों, बसों और भरी बोगियों से दूसरे राज्यों की ओर पलायन करते दिखते हैं। 6000 रुपये महीने की जिंदगी आज भी बिहार की बड़ी तस्वीर है। सरकार बदलने के बाद भी लोगों की उम्मीदें नहीं बदलीं। यह जनादेश न बदलाव का था, न प्रयोग का–यह जनादेश यथास्थिति को ही स्वीकार करने वाला जनादेश साबित हुआ। और इस यथास्थिति का सबसे बड़ा प्रतीक वही नेता है, जिसके बिना बिहार में सत्ता की रचना अधूरी मानी जाती है–नीतीश कुमार। बीजेपी के लिए यही इस चुनाव की सबसे बड़ी मजबूरी और सबसे बड़ी सच्चाई है कि भारी बहुमत, मजबूत संगठन और केंद्रीय नेतृत्व की शक्ति रखने के बावजूद पार्टी को बिहार की सरकार का नेतृत्व उसी व्यक्ति को सौंपना पड़ा जिसे वह बदलने की हिम्मत आज भी नहीं जुटा पाई।

BJP ने अजित पवार के नेता से बनाई दूरी, आशीष शेलार बोले- निकाय चुनाव में कोई गठबंधन नहीं

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नवाब मलिक के खिलाफ आरोप तय होने के बाद महाराष्ट्र भाजपा ने बड़ा बयान दिया है। मंत्री आशीष शेलार ने स्पष्ट किया कि आगामी नगर निगम चुनावों में पार्टी मलिक के नेतृत्व वाली एनसीपी से कोई गठबंधन नहीं करेगी। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता आशीष शेलार ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी आने वाले नगर निगम चुनावों में नवाब मलिक के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। भाजपा नेता आशीष शेलार ने कहा कि हम नवाब मलिक का समर्थन नहीं कर सकते हैं और हमारा यही रुख पिछले साल विधानसभा चुनावों में भी था। हम अब भी इस पर अटल हैं, और भविष्य में भी हमारा रुख यही रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मामला मलिक के बारे में नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ लगे गंभीर आरोपों के बारे में है। आशीष शेलार ने स्पष्ट किया कि जब मलिक के खिलाफ दाऊद गिरोह की सदस्य हसीना पारकर के साथ संबंध होने के गंभीर आरोप लगे हैं, तो ऐसे में भाजपा अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर सकती।

कोर्ट में आरोप तय और मनी लॉन्ड्रिंग के दावे: भाजपा की यह टिप्पणी तब आई है जब यहां की एक अदालत ने हाल ही में दाऊद इब्राहिम के गिरोह की गतिविधि से जुड़े धन शोधन से संबंधित मामले में मलिक के खिलाफ आरोप तय किए हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, मलिक ने दाऊद गिरोह की सदस्य हसीना पारकर, सलीम पटेल और सरदार खान के साथ जोड़-तोड़कर कुर्ला उपनगर के गोवावाला में हड़पी गई संपत्ति में हिस्सा लिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मलिक को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था। वह अभी शीर्ष अदालत से चिकित्सा आधार पर मिली जमानत पर बाहर हैं।

क्या है एनसीपी का रिएक्शन; उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा, भाजपा और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के साथ प्रदेश में सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा है। हालांकि, राकांपा ने भाजपा की इस आलोचना को अधिक तवज्जो नहीं दी। एनसीपी के एक नेता ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि उनकी राजनीति किसी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि मलिक को दो महीने पहले ही मुंबई के लिए चुनाव समिति का प्रमुख बनाया गया था और पार्टी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने उम्मीदवारों से आवेदन मांगा है और बाद में तय करेगी कि वह कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

'आज कोई दिल्ली गया और बोला बाबा मुझे मारा...' उद्धव ठाकरे ने शाह-एकनाथ शिंदे की मुलाकात पर कसा तंज

राज्य में बंटवारे की मौजूदा राजनीति ने सत्ताधारी महागठबंधन में दरार पैदा कर दी है। फिलहाल, शिवसेना (शिंदे गुट) और बीजेपी के बीच अंदरूनी लड़ाई एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। महागठबंधन में पैदा हुए इसी तनाव के बीच डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने कल देर रात दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान, कहा जा रहा है कि एकनाथ शिंदे ने सीधे अमित शाह से बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की शिकायत की। इस घटनाक्रम के सामने आने के बाद अब विपक्ष इस पर कड़ा हमला कर रहा है। शिवसेना (ठाकरे गुट) के चीफ उद्धव ठाकरे ने इस पूरे मुद्दे पर कड़ी आलोचना की है।

उद्धव ठाकरे का शिंदे पर तंज: उद्धव ठाकरे हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने इस राजनीतिक घटनाक्रम पर तीखे तंज कसे। उन्होंने बिना नाम लिए एकनाथ शिंदे पर हमला बोला। ठाकरे ने सीधे अमित शाह से शिकायत करने वाले घटनाक्रम पर तंज कसते हुए करते कहा कि 'आज ही पेपर में पढ़ा है। कोई दिल्ली गया और कहा बाबा मुझे मारा।' ठाकरे ने आगे पूछा कि यह लाचारी क्यों और किस वजह से है? उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्हें उस उम्र में सही पढ़ाई मिली होती, तो यह नौबत नहीं आती।

शरद पवार को लगा बड़ा झटका, पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के बेटे सलिल ने पार्टी से दिया इस्तीफा

महाराष्ट्र निकाय चुनाव के बीच नागपुर में बड़ी राजनीतिक हलचल हुई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नेता अनिल देशमुख के बेटे और पूर्व जिला परिषद सदस्य सलिल देशमुख ने पार्टी की सक्रिय सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस अचानक निर्णय के पीछे खराब स्वास्थ्य और आराम की डॉक्टरों की सलाह का हवाला दिया है। उनका यह फैसला स्थानीय निकाय चुनावों के बीच आया है। पूर्व जिला परिषद सदस्य और युवा नेता सलिल देशमुख ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सक्रिय सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पिछले पांच महीनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था, जिसके कारण वह पार्टी को सक्रिय रूप से समय नहीं दे पा रहे थे। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है, इसलिए वह फिलहाल सभी सक्रिय जिम्मेदारियों से पीछे हट रहे हैं। अनिल देशमुख के बेटे ने स्पष्ट किया कि वह आने वाले 6 महीनों में अपनी तबीयत मजबूत करेंगे और इसके बाद निश्चित रूप से अपने परिसर की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह युवाओं को मार्गदर्शन करके विदर्भ, नागपुर जिला और नागपुर शहर में पार्टी पदाधिकारियों को आगे ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका यह फैसला ऐसा ही है जैसे कोई व्यक्ति बीमार होने पर स्कूल से छुट्टी लेता है, और यह उनका स्वास्थ्य संबंधी छुट्टी लेने का पूरा अधिकार है।

शरद पवार और सुप्रिया सुले को भेजा इस्तीफा

सलिल देशमुख ने अपना इस्तीफा पार्टी प्रमुख शरद पवार, कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, रोहित पवार, राकांपा (शरद पवार) के नागपुर जिलाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को भेज दिया है। उनका यह अचानक निर्णय ऐसे समय में आया है जब स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव जारी हैं, जिससे महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ी हलचल पैदा हो गई है। हालांकि देशमुख ने पद से इस्तीफा दिया है, लेकिन उनके बयान से राजनीतिक बदलाव की संभावनाओं के संकेत मिलते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह किसी अन्य दल में शामिल होने वाले हैं, तो उन्होंने साफ जवाब देने से बचते हुए कहा कि कल की परिस्थितियां क्या होंगी, यह कहना मुश्किल है। उनके इस बयान से राजनीतिक गलियारों में यह अटकलें तेज हो गई हैं कि संभवतः वे जल्द ही किसी दूसरे दल में शामिल हो सकते हैं।

इस्तीफे के बाद क्या बोले सलिल देशमुख?

सलिल देशमुख ने नई पार्टी में शामिल होने की अटकलों को सीधे तौर पर खारिज करते हुए कहा कि वह अकेले आए हैं और उनके साथ कोई

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

यूक्रेन-रूस टकराव में अमेरिकी हथियारों की भूमिका

युद्ध कभी भी सभ्य समाज की पहचान नहीं होती और न ही युद्ध किसी सभ्य समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध हो सकता है। मानव जनित समस्याओं का हल आपसी बातचीत से निकालना सभ्य समाज की देन है। इसके विपरीत स्वयं के फैसलों और मन-मर्जी को मनवाने के लिए क्रूरता की हदें पार करते हुए किसी पर युद्ध थोप देना उचित नहीं कहा जा सकता है। इससे भी ज्यादा निकृष्ट कार्य युद्ध के लिए किसी को प्रेरित करना या किसी के संबंधों को खराब कर अपना उल्लू सीधा करना होता है। अब जबकि यूक्रेन और रुस के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब जबकि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की सीमित लड़ाई न रहकर वैश्विक सामरिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन चुका है। ऐसे में संपूर्ण दुनिया के शांतिप्रिय देशों के लिए यह युद्ध चिंता का विषय बन जाना उचित ही है। दरअसल हाल की घटना, जिसमें रूस ने दावा किया कि उसने अमेरिकी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और यूक्रेन की लॉन्च साइट को नष्ट कर दिया है। इससे यूक्रेन को जंगी सामान मुहैया कराने और अन्य अमेरिकी सहयोग का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इस घटना और खुलासे ने युद्ध में इस्तेमाल आधुनिक तकनीक, खुफिया क्षमता और अंतरराष्ट्रीय हथियार पर आधारित राजनीति के महत्व को भी उजागर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है, कि यूक्रेन ने खार्कोव क्षेत्र से अमेरिका द्वारा निर्मित चार एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलें रूसी शहर वोरोनेज की ओर दागीं। यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की रेंज और अत्याधिक तेज गति के कारण यूक्रेन को रूस की गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देती हैं। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को यह उन्नत मिसाइलें सौंपने का फैसला लिया था ताकि यूक्रेन रूसी सैन्य ठिकानों पर प्रभावी जवाब दे सके। अब विचार करने वाली बात तो यह है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियां से कहते नहीं थक रहे कि वो शांति के पुजारी हैं और उन्हें ही शांति नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए, जो इस बार तो नहीं मिल सका। इसके लिए उन्होंने बारंबार दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में उन्होंने ही मदद की। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमास और इजराइल के बीच शांति उन्होंने ही कराई और फिर रुस व यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों का भी बढ़-चढ़कर बखान करते देखे जा रहे हैं।

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959

www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

भायंदर में सोनार की निर्मम हत्याः पत्नी और बेटे गिरफ्तार, नाबालिग बेटा हिरासत में

पारिवारिक विवाद बना वजह – नवघर पुलिस ने दो घंटे में सुलझाया मामला

नजमुल हसन रिज़वी

भायंदरः भायंदर पूर्व के सोनल पार्क कॉम्प्लेक्स में बुधवार सुबह एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई, जहाँ एक 51 वर्षीय सोनार की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सुशांतो अबोनी पाल के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में ही यह साफ हो गया कि यह हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि पत्नी और बेटे ने मिलकर की, जबकि नाबालिग पुत्र भी वारदात में शामिल था।

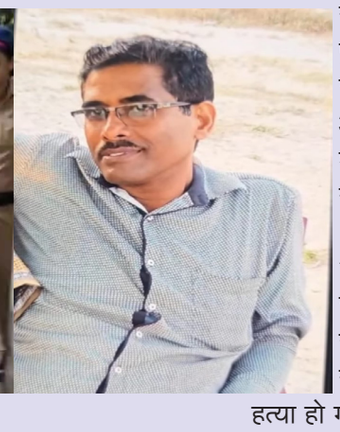

नवघर पुलिस ने घटना के बाद मात्र दो घंटे में जांच को दिशा देकर पूरी साजिश का खुलासा कर दिया।

सुशांतो पाल सोनल पार्क इमारत के शॉप नंबर 01 में ज्वेलरी वर्कशॉप चलाते थे और वहीं रहते भी थे। बुधवार सुबह जब उनके सहकर्मियों ने दुकान का दरवाज़ा खटखटाया और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो शक के आधार पर खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। अंदर पाल खून से लथपथ मृत अवस्था में पाए गए। उनके सिर और शरीर पर धारदार तथा भारी वस्तु से किए गए कई गहरे घाव थे।

शिकायत पर नवघर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103(1) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक धीरज कोळी के नेतृत्व में विशेष तपास पथक तैयार किया गया।

जांच में पता चला कि मृतक सुशांतो पाल पिछले कुछ समय से पारिवारिक कलह के कारण दुकान में ही रह रहे थे। उनकी पत्नी अमृता पाल और दोनों बेटे–सुमित और एक नाबालिग –पैसे और संपत्ति को लेकर उनसे विवाद करते रहते थे।

पड़ोसियों ने 18 नवंबर की रात दुकान के भीतर परिवार में जोरदार झगड़े की जानकारी भी पुलिस को दी। पुलिस ने तीनों को खोजना शुरू किया कुछ ही घंटों में पुलिस ने तीनों को दिवा मे एक रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ की, जिसमें अमृता पाल और बड़ा बेटा सुमित हत्या में सीधे शामिल होने की बात स्वीकार कर बैठे, जबकि नाबालिग बेटे की भूमिका भी स्पष्ट हुई।

डीसीपी (अपराध) संदीप डोईफोडे ने कहाः 'जांच में यह सामने आया कि लंबे समय से चल रहे आर्थिक और संपत्ति विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पूछताछ में परिवार के सदस्यों ने स्वीकार किया कि झगड़ा अचानक बढ़ा और हत्या हो गई।'

डोईफोडे ने नवघर पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि, 'यह एक अत्यंत संवेदनशील मामला था। पुलिस टीम ने बेहतरीन पेशेवर तरीका दिखाते हुए सभी सुरागों का तेजी से विश्लेषण किया और कुछ ही घंटों के भीतर सच का पता लगाया। ऐसी त्वरित कार्रवाई पुलिस पर जनता का भरोसा मजबूत करती है।' घटना की आगे की जांच पुलिस निरीक्षक तृप्ती देशमुख कर रही हैं।

अकोला की सेहत पर सौदा?–साजिद खान की गर्जना, निजीकरण हुआ तो उग्र आंदोलन

राहुल खाड़े

अकोला। शहर की बदहाल होती स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल का संभावित निजीकरण अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। लगातार मिल रही शिकायतों–कर्मचारियों की गैरहाजिरी, डॉक्टरों का समय पर न आना और मरीजों को होने वाली दिक्कतों–के बीच पश्चिम अकोला के विधायक साजिद खान ने बुधवार सुबह अस्पताल का औचक दौरा किया। इस निरीक्षण में कई गंभीर अनियमितताएँ सामने आईं। दौरान-निरीक्षण पता चला कि कई डॉक्टर छुट्टी पर न होने के बावजूद हॉस्पिटल से नदारद थे। वहीं करोड़ों रुपये की लागत से खरीदी गई अत्याधुनिक मशीनें स्टोर में धूल खा रही थीं, जबकि मरीजों को इन सुविधाओं का लाभ तक नहीं मिल पा रहा था। हालात देखकर विधायक खान ने तीखी नाराज़गी जताई और सवाल उठाया कि इतने महत्वपूर्ण संस्थान में इस तरह की लापरवाही कैसे चल रही है।

डीन मुंबई में–किस बैठक के सिलसिले में?

खान ने फोन पर संपर्क करने पर जाना कि सर्वोपचार अस्पताल के डीन डॉ. संजय सोनूने मुंबई में किसी बैठक में शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार यह बैठक सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल का संचालन किसी निजी कंपनी को सौंपने से जुड़ी बताई जा रही है।

विधायक खान ने सीधे शब्दों में आरोप लगाया–'सरकार पिछलग्गू रास्ता अपनाकर इस अस्पताल को निजी हाथों में देने की तैयारी कर रही है।'

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई

सर्वोपचार अस्पताल से लेकर जिला महिला अस्पताल तक लगभग सभी जगह भारी रिक्त पद, प्रभारी अधिकारियों के भरोसे चल रहा तंत्र और बढ़ती मरीज-परेशानियाँ–ये हाल जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर तस्वीर पेश करते हैं। दो महीनों से जिला महिला अस्पताल पूरी तरह प्रभारी प्रशासन के भरोसे चल रहा है, जिसके चलते शिकायतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

विधायक खान ने चेतावनी दी–'जनता के पैसों से तैयार सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल को निजी हाथों में सौंपने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर सरकार निजीकरण की दिशा में कदम बढ़ाती है तो अकोला की जनता के साथ मिलकर उग्र जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

अकोला पुलिस की तेज़ कार्रवाई– दाबकी रोड चोरी 12 घंटे में सुलझी, 21.75 लाख का माल बरामद

संवाददाता - राहुल खाड़े

अकोला। पुलिस ने दाबकी रोड क्षेत्र में हुई घरफोड़ चोरी की वारदात को सिर्फ 12 घंटे में सुलझाकर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। 18 नवंबर 2025 को मेहरा नगर, दाबकी रोड निवासी शिकायतकर्ता गौरव धर्मराज उर्फ़ बालासाहेब विजयकर पूजा के लिए परिवार सहित गांव गए थे। इसी

दौरान एक अज्ञात चोर पीछे के बाथरूम की खिड़की के रास्ते घर में घुसा और सोने-चांदी के कीमती आभूषणों के साथ नकदी लेकर फरार हो गया। दाबकी रोड पुलिस ने घटना की रिपोर्ट पर धारा 305(ए) और 131(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तुरंत जांच शुरू की। एसपी अर्चित चांडक के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक दीपक कोली और उनकी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न दिशाओं से जांच शुरू की। कई संदिग्धों से पूछताछ के बाद पुलिस को गोपनीय जानकारी मिली, जिसके आधार पर नेहरू नगर, खैरमोहम्मद प्लॉट निवासी एक नाबालिग बालक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात स्वीकार की। उसके घर की तलाशी में 173.330 ग्राम सोने के गहने, 18.600 ग्राम चांदी और 5,350 रुपये नकद सहित कुल 21,75,175 रुपये का चोरी का माल बरामद किया गया। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक दीपक कोली, सपोनि अभिषेक अंधारे, हवालदार उमेश पाटिल, उमेश सुगंधी, डीबी टीम के दीपक तायडे, प्रवीण इंगले, राजेश ठाकुर, प्रेम कश्यप, संतोष उपाध्याय, मंगेश गिते और प्रतिभा राठौड़ सहित दाबकी रोड पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से न केवल चोरी का खुलासा हुआ, बल्कि पूरा चोरी का माल भी सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

भारतीय कलाकारों में अंतरराष्ट्रीय कलाकारों से कम प्रतिभा नहीं : दीपिका

बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने देश की कला और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहचान दिलाई है। एक्ट्रेस की मेट गाला, फीफा वर्ल्ड कप, ऑस्कर जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में मौजूदगी ने उन्हें 'ग्लोबल आइकॉन' का दर्जा दिलाया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब दीपिका से पूछा गया कि उनके लिए 'ग्लोबल इंडियन' होने का क्या मतलब है, उन्होंने बेहद प्रभावशाली जवाब दिया।

दीपिका ने बताया कि उनके लिए यह शब्द अपनी जड़ों, अपनी संस्कृति और अपनी विरासत को पूरी शान से अपनाने से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भारतीयों को लगता था कि अंतरराष्ट्रीय पहचान पाने के लिए उन्हें अपनी पहचान बदलनी पड़ेगी, लेकिन वह इस सोच से कभी सहमत नहीं रहीं। उनका मानना है कि भारतीय कलाकारों में किसी भी अंतरराष्ट्रीय कलाकार से कम प्रतिभा नहीं है, और उन्हें दूसरों की नकल करने की कोई जरूरत नहीं। दीपिका ने कहा, 'अगर दुनिया भर की फिल्में और कलाकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किए जाते हैं, तो भारतीय कलाकारों को अपनी पहचान बदलने की क्या जरूरत है? हमारे साथ कुछ भी गलत नहीं है। 'ग्लोबल इंडियन' का मतलब है अपने होने पर गर्व करना और उसे दुनिया तक पहुंचाना।' इंटरव्यू में उनसे यह भी पूछा गया कि जब उन्होंने इतने बड़े मुकाम हासिल कर लिए हैं, तो अब आगे उनका लक्ष्य क्या है?

इस पर दीपिका ने बताया कि अब उन्हें सबसे ज्यादा खुशी दूसरों की प्रतिभा को मंच देने में मिलती है। वह कहानियां बनाने, नए लेखकों, निर्देशकों और रचनात्मक लोगों को आगे बढ़ाने का काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि उनका फोकस अब नए टैलेंट को मौका देने पर है, ताकि भारतीय सिनेमा और भी सशक्त बन सके। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका की आने वाली फिल्मों की लिस्ट बेहद मजबूत है। वह जल्द ही शाहरुख़ ख़ान की बड़ी फिल्म किंग में नजर आएंगी। साथ ही, वह अटली की नई फिल्म में भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं। इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैम्पियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, यूसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाय। इसके बाद यह महिला विश्व कप में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तान और फातिमा सना से दूरी बनाये रखी थी।

विपक्ष गायब, सत्ता खुश – चिखलदरा में कांग्रेस ने BJP को निर्विरोध जीत का प्रसाद चढ़ाया

विपक्ष का कैसा संघर्ष ? बोलने में शेर, चुनाव में ढेर.. सत्ता के सामने 'आत्मसमर्पण'

सुनिल इंगोले

अमरावती। जिस 'विपक्ष' का दावा कांग्रेस रोज करती है, वही चिखलदरा में सत्ता पक्ष को लाल कालीन बिछाकर दे आई। एक नहीं, दो नहीं–कुल नौ उम्मीदवारों का हट जाना विपक्ष की राजनीति पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। यह वही कांग्रेस है जो मीडिया में महायुती पर बाण चलाती है–लेकिन चिखलदरा में हुआ क्या? बिना एक भी वोट पड़े, BJP का उम्मीदवार विजयी। और विपक्ष खुद ही गायब। यहीं सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है – नौ उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया, लेकिन कांग्रेस के प्रत्याशी ने नामांकन वापस लेना आखिर कितनी नैतिकता पर टिका था? विपक्ष का दावा करने वाले क्या सत्ता पक्ष के लिए रास्ता साफ करने आए थे? संगमनेर में पूर्व मंत्री बाळासाहेब थोरात महायुती के मतभेदों का 'बड़ा धमाका' बताने में लगे थे–पर लोगों का सवाल बिल्कुल उलटा था। 'पहले बताइए, आप खुद विपक्ष हैं भी कि नहीं? अगर हैं, तो अपने उम्मीदवार पर क्या कार्रवाई करेंगे, जिसने CM फडणवीस के मामा के बेटे आल्हाद कलोती को निर्विरोध सीट सौंप दी?' उद्धव ठाकरे ने शिंदे पर तंज कसा– 'दिल्ली जाकर 'बाबा मला मारलं' म्हणणारा कोण?' और कांग्रेस ने फडणवीस को 'शैडो मुख्यमंत्री' और राज्य की चाबी अमित शाह के हाथ में होने का आरोप लगाया। पर सवाल फिर वही– जिन्हें खुद अपनी ही सीट बचानी नहीं आती, उन्हें किस मुंह से सत्ताधारी गठबंधन को सीख देने का हक्क?

चिखलदरा की जनता ने साफ-साफ पूछा है, 'ये जो खुद BJP को निर्विरोध जीत दिला रहे हैंष्ठ इन्हें सच में विपक्ष कहां जाएंगे?' मतदाताओं के मन में बड़ा प्रश्न खड़ा हो गया – 'जो कांग्रेस भाजपा पर हमला कर रही है, वही चिखलदरा में BJP के आल्हाद कलोती को बिनविरोध सीट क्यों दे रही है?'

युवा स्वाभिमान पार्टी के अध्यक्ष विधायक रवी राणा ने इसे 'दूरदृष्टि की जीत' बताते हुए फडणवीस के नेतृत्व पर विश्वास जताया।

मनपा का बडनेरा दमकल विभाग विवादों में – कर्मचारी ने उत्पीड़न से तंग आकर पिया जहर

अमरावती। महानगर पालिका के बडनेरा जोन के दमकल विभाग में कार्यरत कर्मचारी राजेश वासुदेव मोहन ने बुधवार सुबह कार्यालय परिसर में ही आत्महत्या का प्रयास कर हड़कंप मचा दिया। सुबह करीब 9.30 बजे राजेश ने कथित तौर पर जहरीली दवा का सेवन किया, जिसके बाद सहकर्मियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, राजेश लंबे समय से बडनेरा जोन में तैनात है। बताया जा रहा है कि कुछ सहकर्मियों द्वारा किए जा रहे मानसिक उत्पीड़न से त्रस्त होकर उसने यह कदम उठाया। वहीं मनपा प्रशासन का कहना है कि राजेश ने इस मुद्दे पर किसी भी वरिष्ठ अधिकारी को कोई शिकायत नहीं दी थी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यह पूरा प्रकरण दमकल विभाग के भीतर कर्मचारियों के आपसी तनाव और खिंचातान का नतीजा भी हो सकता है।।घटना के बाद मनपा ने जांच शुरू कर दी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि एक सरकारी कर्मचारी को ऐसा आत्मघाती कदम उठाने की स्थिति तक कौन-सी परिस्थितियाँ ले गईं।

नीति आयोग व विश्व बैंक द्वारा आयोजित 'डेटा फोरम' में एमबीएमसी आयुक्त का संबोधन

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः नीति आयोग, भारत सरकार और विश्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रतिष्ठित 'डेटा फोरम' के तीसरे संस्करण का आयोजन भोपाल स्थित खुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में किया गया।

इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में मीरा भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

'Leveraging Data to Improve Urban/Social Services' विषय पर संबोधित करते हुए आयुक्त शर्मा ने मीरा भायंदर में लागू किए जा रहे विभिन्न डेटा-आधारित उपक्रमों की जानकारी दी और शहरी शासन में मजबूत डेटा ढांचे के महत्व पर जोर दिया। शर्मा ने कहा, 'स्ट्रॉन्ग डेटा, स्ट्रॉन्ग सिटीज़–किसी भी शहर की कार्यप्रणाली का मूल आधार डेटा ही होता है।' कार्यक्रम की तैयारी को लेकर उन्होंने बताया, 'फोरम से पहले मैंने शहर के डेटा मॉडल, स्मार्ट गवर्नेंस परियोजनाएँ और उनके प्रभाव से जुड़े सूचकांक दोबारा देखे। मेरा उद्देश्य यह दिखाना था कि मीरा भायंदर जैसे मध्यम आकार के शहर डेटा के माध्यम से नागरिक सेवाओं में कैसे परिवर्तन ला सकते हैं। हमारी कोशिश अन्य शहरी निकायों के लिए एक रिप्लिकेटेबल मॉडल प्रस्तुत करने की रही।' कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, मुख्य सचिव अनुराग जैन, नीति आयोग के सदस्य डॉ. पी. के. पॉल, मुख्य आर्थिक सलाहकार अन्ना रॉय, भारत सरकार व मध्य प्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा विश्व बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अमरावती के संविधान चौक में युवा की सरेआम हत्या, पांच आरोपी हिरासत में – CCTV फुटेज में पूरी वारदात कैद

- मटन सेंटर के सामने कुछ सेकंड में चाकू से हमला
- यश अस्पताल तक दौड़ा, लेकिन गेट पर ही ढह गया
- घटनास्थल वही, जहां दो दिन पहले मृतक ने जन्मदिन मनाया था

अमरावती। गाडगे-नगर थाना क्षेत्र के संविधान चौक में बुधवार की रात एक खौफनाक वारदात ने पूरे क्षेत्र को हिलाकर रख दिया। 19 वर्षीय यश रवींद्र पाटणकर (संविधान चौक) पर दो दुपहिया वाहनों से पहुंचे हमलावरों ने अचानक चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। कुछ ही सेकंड में यश लहूलुहान होकर गिर पड़ा। नागरिकों ने उसे तुरंत इर्विन अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना एक व्यस्त इलाके में हुई, और पास के ग्राहक सेवा केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरे ने पूरी वारदात रिकॉर्ड कर ली। फुटेज में दो बाइकें, पांच युवक और यश पर किए गए लगातार हमले साफ दिखे। इसी फुटेज के आधार पर गाडगे-नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी प्रिंस भागचंद श्रीवास (18), प्रेम मधुकर बोबडे (24) और तीन नाबालिगों को चंद घंटों में हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यश पर हमला इतनी तेजी से किया गया कि वह समझ ही नहीं पाया। सीने और पीठ पर गहरे घाव लगने के बावजूद वह पास के भंडारी अस्पताल की ओर दौड़ा, लेकिन अत्याधिक रक्तस्राव के कारण अस्पताल के गेट पर ही गिर पड़ा। कुछ ही पल बाद उसकी मौत हो गई। दिलचस्प और मार्मिक तथ्य यह है कि दो दिन पहले ही यश ने इसी स्थान पर अपना जन्मदिन मनाया था – वही जगह, जहां अब उसके खून का निशान पड़ा हुआ था। जन्मदिन का उत्सव और मौत की घटना, दोनों एक ही स्थान पर हुईं, जिससे पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस आयुक्त अरविंद चात्रलिया, उपायुक्त रमेश धुमाल, सहायक आयुक्त शिवाजीराव बचाटे सहित वरिष्ठ अधिकारी और अपराध शाखा की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस निरीक्षक संदीप चव्हाण के मार्गदर्शन में अमोल कडू, महेश इंगोले, मनिष वाकोडे, अनिकेत कासार, प्रियंका कोठावार समेत टीम ने रात भर कार्रवाई कर सभी आरोपियों को पकड़ लिया।

पुलिस फिलहाल यह जांच कर रही है कि पुरानी रंजिश की असल वजह क्या थी, हमले की योजना कितने समय से बनाई जा रही थी और नाबालिगों को इस अपराध में शामिल करने के पीछे कौन-सा दबाव या प्रलोभन था।

दो सहयोगी दलों में मेट्रो क्रेडिट की जंग

मीरा-भायंदर में मेट्रो लाने को लेकर शिव सेना शिंदे गुट और भाजपा नेताओं की खुली भिड़ंत

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा रोडः मीरा-भायंदर मेट्रो के उद्घाटन की तैयारी तेज़ होते ही राज्य सरकार के दो सहयोगी दल – एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी – आमने-सामने आ गए हैं। 14 साल पुराने इस प्रोजेक्ट की उपलब्धि का श्रेय लेने को लेकर दोनों पक्षों के नेता अब खुले मंच पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं।

'2009 में मैंने मेट्रो का प्रस्ताव रखा था' – प्रताप सरनाईक

शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के के कोटे से परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दावा किया कि मीरा-भायंदर के लिए मेट्रो परियोजना का बीज उन्होंने ही बोया था। सरनाईक ने कहाः '2009 में जब नरेंद्र मेहता विधायक भी नहीं थे, तब मीरा-भायंदर में मेट्रो लाने का प्रस्ताव मैंने रखा था। उस समय कई लोगों ने इस विचार को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन मैंने लगातार इसके लिए प्रयास किए।' सरनाईक ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार के समय भी उन्होंने और एकनाथ शिंदे ने मेट्रो की मांग उठाई थी। उन्होंने कहाः 'जब पृथ्वीराज चव्हाण मुख्यमंत्री थे, तब हम मेट्रो के लिए उनके पास गए थे, लेकिन feasibility में 'ना' कहा गया था क्योंकि मेट्रो underground प्रस्तावित थी, जो यहाँ संभव नहीं था। बाद में elevated मेट्रो का प्रस्ताव आया और वो हमने लाया।'

'मेरे विधायक बनने के बाद ही काम शुरू हुआ' – नरेंद्र मेहता का पलटवार

भाजपा नेता और विधायक नरेंद्र मेहता ने सरनाईक के दावों को खारिज करते हुए कहा कि वास्तविक प्रगति उनके प्रयासों से हुई। मेहता ने कहाः 'मेरे विधायक बनने के बाद ही मेट्रो का काम मीरा-भायंदर में आगे बढ़ा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस खुद कई बार कह चुके हैं कि इस प्रोजेक्ट में मेरी मेहनत और लगातार फॉलो-अप का बड़ा योगदान है।'

उन्होंने यह भी जोड़ाः 'मंत्री जी के विधानसभा क्षेत्र से मेट्रो गुजरती है, इसलिए इसका मतलब यह नहीं कि मेट्रो उन्होंने लाई। मैंने सभी प्रस्ताव, तकनीकी कागदपत्र और फॉलो-अप पूरे किए, तब जाकर मीरा-भायंदर को मेट्रो की सौगात मिल पाई है।'

सरनाईक का नया आरोप – 'काशिगांव की सीढ़ी की ज़मीन ने अड़ंगा लगाया' मेट्रो की देरी को लेकर भी सरनाईक ने भाजपा पर इशारों में निशाना साधा। उन्होंने कहाः 'काशिगांव मेट्रो स्टेशन की सीढ़ी की ज़मीन रोककर देरी किसने की, यह सबको पता है। लोगों के सामने मुख्यमंत्री फडणवीस ने डाटा था तब जाकर जमीन छोड़ी, सब को पता है ये बात। आज जब मेट्रो तैयार है, तो सभी लोग क्रेडिट लेने के लिए लाइन में लगे हैं।'

दिसंबर एंड तक दौड़ सकती है मेट्रो – 'क्रिसमस गिफ्ट'

हालांकि, राजनीतिक तकरार के बीच परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने यह भी पुष्टि की कि दहिसर-काशिमीरा मेट्रो सेक्शन दिसंबर के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहाः 'मीरा-भायंदर के लोगों के लिए यह हमारा क्रिसमस गिफ्ट होगा। 14 साल की मेहनत अब फल देने जा रही है।'

CMRS की मंजूरी बाकीः मेट्रो शुरू होने से पहले Commissioner of Metro Railway Safety (CMRS) की अनिवार्य मंजूरी आवश्यक है। उसके बाद ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया जाएगा।

क्रेडिट की जंग तेज़ः मीरा-भायंदर के नागरिक जहाँ मेट्रो शुरू होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं सत्तारूढ़ गठबंधन के दोनों घटक दलों के नेता प्रोजेक्ट का श्रेय लेने की होड़ में आमने-सामने आ चुके हैं। मेट्रो अभी शुरू भी नहीं हुई, लेकिन राजनीतिक क्रेडिट की लड़ाई पहले से ही पटरी पर दौड़ रही है।

ताम्हिनी घाट में भीषण हादसा–थार 500 फीट गहरी खाई में गिरी, पुणे के छह युवकों की दर्दनाक मौत

मुन्ना मुजावर

रायगढ़/पुणेः सह्याद्री पर्वतरांगों के घने जंगलों और खतरनाक मोड़ों के लिए मशहूर ताम्हिनी घाट में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में पुणे के उत्तमनगर क्षेत्र के छह युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान शाहजी चव्हाण (22), पुनित सुधारक शेट्टी (20), साहिल साधु बोटे (24), श्री महादेव कोली (18), ओंकार सुनील कोली (18) और शिव अरुण माने (19) के रूप में हुई है।

दुर्घटना का विवरणः सोमवार रात करीब 11:30 बजे सभी युवक पुणे से थार कार (MH12 YN 8004) में कोंकण भ्रमण के लिए रवाना हुए थे। ताम्हिनी घाट पहुँचने पर चालक वाहन के खतरनाक मोड़ का अंदाज़ा नहीं लगा सका और कार नियंत्रण खोते हुए लगभग 500 फीट गहरी खाई में जा गिरी। घटना रात के अंधेरे में होने के कारण तुरंत किसी को जानकारी नहीं मिल सकी।

संपर्क टूटने पर परिजनों ने शुरू की खोजः मंगलवार सुबह जब लगातार संपर्क नहीं हुआ तो परिजनों ने उत्तमनगर पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई। मोबाइल की आखिरी लोकेशन ताम्हिनी घाट में मिलने पर पुलिस ने तुरंत खोज अभियान शुरू किया। घाट में नेटवर्क न होने के कारण कोई संकेत नहीं मिल पाया।

बचाव अभियान - चार शव बरामद, कार क्षतिग्रस्तः मानगांव पुलिस, सह्याद्री वन्यजीव सोसायटी (एंन्र्एए), शेलार मामा रेस्क्यू टीम और अन्य बचाव दलों ने रस्सियों, स्ट्रेचर, क्रेन और ड्रोन की मदद से घाटी में उतरकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कार के अवशेष बुधवार सुबह मिले–घटना स्थल पर कार पूरी तरह चकनाचूर मिली। तलाशी के दौरान सभी छह युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

प्रारंभिक जांच

सड़क का तीखा मोड़ नज़र में न आने और गहरी ढलान होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा–ऐसा पुलिस का अनुमान है। ताम्हिनी घाट की सड़क पर अक्सर कोहरा, अंधेरा और घुमावदार पथ होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

पुलिस की कार्रवाईः सीसीटीवी, मोबाइल लोकेशन और स्थानीय जानकारी के आधार पर तलाशी की गई। दुर्घटना का सटीक कारण जानने के लिए पुलिस गहन जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

प्रशासन की अपीलः प्रशासन ने ताम्हिनी घाट से गुजरने वाले यात्रियों से सतर्कता बरतने, रात में यात्रा संभव हो तो टालने और गति सीमा का पालन करने की अपील की है। घाट में खतरनाक मोड़ों पर अतिरिक्त चेतावनी चिन्ह और सुरक्षा उपाय बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है।

यह दुर्घटना क्षेत्र में सुरक्षित ड्राइविंग और सावधानी के महत्व को एक बार फिर उजागर करती है।

अमितेश कुमार का एक्शन मोड

अपराधियों को 'सात जन्मों का सबक', लक्ष्मण रेखा लांघी तो नहीं बख्शेंगे

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा, 'शहर की टीचिंग क्लास और एकेडमिक्स को खुद के बारे में सोचने की ज़रूरत है। टीचिंग क्लास खुद बच्चों को प्रोटेस्ट के लिए उकसाती हैं। प्राइवेट हॉस्टल गलत लोगों का अड्डा बन गए हैं। लड़कों के हॉस्टल में लड़कियां हैं और लड़कियों के हॉस्टल में लड़के। हॉस्टल में आने-जाने के टाइम पर कोई कंट्रोल नहीं है। लेकिन, हर चीज़ के लिए एक लक्ष्मण रेखा होनी चाहिए।'

अमितेश कुमार पुणे पुलिस की 'शिक्षा में सुरक्षित रास्ते' टॉपिक पर एक डिस्कशन में बोल रहे थे। पुलिस कमिश्नर ने पिछले कुछ महीनों में शहर के स्कूलों और कॉलेजों में हुए पेपर लीक, यौन शोषण और आपत्तिजनक पार्टियों के मामलों का ज़िक्र करते हुए मौजूदा हालात पर कमेंट किया, जिसमें पोर्शे कार एक्सीडेंट का मामला भी शामिल है।

अमितेश कुमार ने कहा, 'सोशल मीडिया पर माहौल बढ़ रहा है। आपत्तिजनक कंटेंट लिखा जा रहा है। कई स्टूडेंट्स के शराब पीकर गाड़ी चलाने और ट्रैफिक नियम तोड़ने की घटनाएं हुई हैं। एक्सीडेंट भी हुए हैं। साइबर सिक्योरिटी का मुद्दा भी ज़रूरी है। स्टूडेंट्स में ड्रग्स लेने की दर भी बढ़ रही है। इस मामले में पेरेंट्स की बड़ी ज़िम्मेदारी है। पेरेंट्स को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनके बच्चे क्या करते हैं। बच्चों को बेसिक ड्यूटी, मोरैलिटी, क्या गलत है और क्या सही है, यह सिखाया जाना चाहिए। साथ ही, शहर की यूनिवर्सिटी और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन को आगे

आकर पुलिस का कोऑपरेट करना चाहिए।

स्टूडेंट्स में अवेयरनेस पैदा करनी चाहिए। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के 100 मीटर के अंदर तंबाकू प्रोडक्ट्स बिकते हैं, ड्रग्स और शराब बिकती है। हालांकि ऐसी दुकानों को हटाना एडमिनिस्ट्रेशन की ज़िम्मेदारी है, लेकिन एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन को भी पहल करनी चाहिए और इस पर ध्यान देना चाहिए। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के कैंपस में डिसिप्लिन का माहौल बनाए रखने पर ध्यान देना चाहिए। डेमोक्रेसी होने पर भी ज़िम्मेदारी नहीं भूली जा सकती। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन को गलत काम और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना चाहिए।'

'पोर्शे केस में गलत काम, करप्शन का खुलासा'

'पुणे पुलिस पर पोर्शे कार केस में आरोपियों को बचाने की कोशिश करने का आरोप लगा था। हालांकि, पुलिस ने बहुत प्रोफेशनल तरीके से काम किया है। इसलिए, पीड़ितों को इंसाफ ज़रूर मिलेगा। इस केस में देश में पहली बार ब्लड सैंपल बदलने का मामला सामने आया था। जब मुझे ब्लड में बदलाव के बारे में पता चला, तो मुझे दोबारा ब्लड सैंपल लेना पड़ा। इस मामले में मीडिया ने मुझे लगातार सवालों के घेरे में रखा। जब ॐ टेस्ट हुआ, तो पता चला कि ब्लड बदला गया था। उसी आधार पर लड़का, उसके पिता और दादा अभी भी जेल में हैं। इस केस ने सिस्टम में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार को उजागर किया। हालांकि, उसी सिस्टम द्वारा गड़बड़ी करने वाले डॉक्टरों के रैकेट का भी पर्दाफाश हुआ,' अमितेश कुमार ने यह भी कहा।

पुणे नगर निगम की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी; दुबार वोटरों की संख्या तीन लाख से ज़्यादा

मुन्ना मुजावर

पुणेः आने वाले समय में पूरे राज्य में नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों, जिला परिषदों और नगर निगमों के लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट चुनाव होने वाले हैं। इसी को देखते हुए हर राजनीतिक पार्टी की तरफ से मीटिंग और रैलियां की जा रही हैं। इन सब घटनाक्रमों के बीच, जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस बात पर है कि हर वार्ड में कितने हजार वोटर होंगे। वहीं,

राज्य की अलग-अलग नगर पालिकाओं की वार्ड-वाइज ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आज जारी की गई है। पुणे शहर में 35 लाख 51 हजार 469 वोटर रजिस्टर्ड हैं और यह साफ हो गया है कि 3 लाख से ज्यादा वोटर डुप्लीकेट हैं, यह जानकारी नगर निगम कमिश्नर नवल किशोर राम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस मौके पर नवल किशोर राम ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक, आने वाले समय में राज्य में नगर निगम चुनाव होने वाले हैं। इसी को देखते हुए पुणे शहर के 41 वार्ड और उनके रिजर्वेशन की घोषणा पहले ही कर दी गई है। शहर के सभी 41 वार्डों में ड्राफ्ट वोटरों की संख्या आज घोषित की गई है और 35 लाख 51 हजार 469 वोटर रजिस्टर्ड हैं। जबकि वार्ड नंबर 9 को सबसे ज़्यादा वोटर्स वाला वार्ड माना गया है। उस वार्ड में 1 लाख 60 हज़ार 242 वोटर्स हैं। सबसे कम नंबर वार्ड नंबर 39 का है। उस वार्ड में 62 हज़ार 205 वोटर्स हैं। इसके साथ ही, इन 35 लाख 51 हज़ार 469 वोटर्स में से 3 लाख से ज़्यादा वोटर्स डुप्लीकेट वोटर्स पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के ज़रिए इन डुप्लीकेट वोटर्स को कम करने के लिए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के आदेश के अनुसार, हमने आज वोटर्स लिस्ट का ड्राफ़्ट पब्लिश किया है। अगर वोटर्स को इस लिस्ट के बारे में कोई ऑब्जेक्शन या सुझाव है, तो वे 20 नवंबर से 27 नवंबर, 2025 के बीच पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन मेन बिल्डिंग इलेक्शन ऑफ़िस के साथ-साथ सभी रीजनल ऑफ़िस में अपने ऑब्जेक्शन और सुझाव दर्ज कराएँ, उन्होंने वोटर्स से अपील की।

पुणे में कांग्रेस का 'पंजा' बेअसर! राजनीतिक समीकरणों में बड़ा उलटफेर

मुन्ना मुजावर

पुणेः अलग-अलग राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद देश में कांग्रेस की हार साफ़ दिख रही है। लेकिन, पुणे ज़िले में कांग्रेस की हालत और भी खराब है। पुणे ज़िले में 14 म्युनिसिपल काउंसिल और तीन म्युनिसिपल पंचायतों के

चुनाव की जंग चल रही है, वहीं कांग्रेस नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार), BJP और शिवसेना (शिंदे) से मुकाबला करने के लिए पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरी है। लेकिन, दो म्युनिसिपल काउंसिल और दो म्युनिसिपल पंचायतों के लिए कांग्रेस को कोई कैंडिडेट नहीं मिलने से यह साफ़ हो गया है कि चुनाव से पहले ही कांग्रेस मैदान छोड़कर जाने पर शर्मिंदा है। एक समय पुणे शहर और ज़िले में कांग्रेस की मज़बूत पकड़ थी। लेकिन, अब कैंडिडेट न मिलने की हालत इस पार्टी पर बोझ बन गई है। म्युनिसिपल काउंसिल और म्युनिसिपल पंचायत चुनावों के लिए नॉमिनेशन भरने के लिए जहां BJP, NCP (अजीत पवार), NCP (शरद पवार), शिवसेना (शिंदे) और शिवसेना (ठाकरे) के बीच मुकाबला चल रहा था, वहीं कांग्रेस के पास कैंडिडेट की कमी थी। ऐसा लग रहा था कि इस पार्टी से चुनाव लड़ने की किसी में हिम्मत नहीं है। इसलिए, कांग्रेस को सासवड और राजगुरुनगर की दो म्युनिसिपल काउंसिल के साथ-साथ बारामती में वडगांव और मालेगांव बुद्रुक की म्युनिसिपल पंचायतों के लिए एक भी कैंडिडेट नहीं मिला। इसलिए, पॉलिटिकल गलियारों में चर्चा है कि इन चारों जगहों से कांग्रेस को निकाल दिया गया है।

पिछले कई सालों से सासवड म्युनिसिपल काउंसिल में कांग्रेस अकेले दम पर सत्ता में है। चूंकि इस म्युनिसिपल काउंसिल में महायुति और महाविकास अघाड़ी का गठन नहीं हो सका, इसलिए यह साफ हो गया है कि सभी पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। मौजूदा र्श्ें विजय शिवतारे और पूर्व र्श्ें संजय जगताप ने मेयर पद के लिए अपने-अपने कैंडिडेट उतारे हैं। साथ ही, चूंकि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) और शिवसेना (ठाकरे) कैंडिडेट हैं, इसलिए इस म्युनिसिपल काउंसिल में चतुष्कोणीय मुकाबला होने की संभावना है।

पूर्व MLA संजय जगताप के BJP में शामिल होने के बाद, इस म्युनिसिपल काउंसिल में पॉलिटिकल इक्वेशन बदल गए हैं। जगताप की मां आनंदी जगताप नें व्ह से मेयर पद के लिए अपना नॉमिनेशन फाइल किया। शिवसेना (ठाकरे) के पुरंदर तालुका चीफ अभिजीत जगताप ने अपना नॉमिनेशन फाइल किया है। उन्हें नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) और कांग्रेस ने सपोर्ट किया है। पूर्व कॉर्पोरेटर सचिन सुरेश भोंगले ने शिवसेना (शिंदे) से अपना नॉमिनेशन फाइल किया है। वे पुरंदर MLA विजय शिवतारे के कैंडिडेट हैं। पूर्व MLA संजय जगताप के BJP में शामिल होने से कांग्रेस के पास इस जगह कोई कैंडिडेट नहीं बचा है। इसलिए, कांग्रेस ने इस म्युनिसिपल काउंसिल का चुनाव छोड़ दिया है। इस म्युनिसिपल काउंसिल के इतिहास में पहली बार कांग्रेस के बिना चुनाव हो रहे हैं।

पुणे में बड़ी सोसायटियों में नगर निगम करेगा सर्वे, इकट्ठा करेगी ये जानकारी!

मुन्ना मुजावर

पुणेः 'शहर की बड़ी सोसायटियों और कमर्शियल जगहों पर गीले कचरे को प्रोसेस करने वाले करीब 400 से 500 छोटे प्रोजेक्ट बंद होने की संभावना है। जिन सोसायटियों में रोज़ाना 100 ु से ज़्यादा कचरा निकलता है। उनके लिए अपना कचरा वहीं फेंकना ज़रूरी है। इसलिए, ऐसी सोसायटियों का इंस्पेक्शन किया जाना चाहिए और एक डिटेल्ड रिपोर्ट जमा की जानी चाहिए,' यह आदेश म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की एडिशनल कमिश्नर पवनीत कौर ने दिया है। कौर ने हाल ही में कोठी ऑफिस से सॉलिड वेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों और

हेल्थ इंस्पेक्टरों की एक ऑनलाइन मीटिंग की। इस मीटिंग में गीले कचरे के मैनेजमेंट पर ज़्यादा ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साल 2000 के बिल्डिंग रेगुलेशन के मुताबिक, जिन जगहों पर रोज़ाना 100 ु से ज़्यादा गीला कचरा निकलता है, वहां से निकलने वाले गीले कचरे को फेंकना ज़रूरी है।

अभी, शहर में करीब दो हज़ार जगहें हैं, जिनसे रोज़ाना 20 टन से ज़्यादा कचरा फेंकने की उम्मीद है। हालांकि, यह बात सामने आई है कि ऐसा नहीं हो रहा है।

मीटिंग में कौर ने सुझाव दिया, 'जानकारी सामने आई है कि शहर में 400 से 500 छोटे प्रोजेक्ट अभी बंद हैं। सोसाइटियों में बंद इन प्रोजेक्ट का सर्वे किया जाना चाहिए और उनके बंद होने के कारणों का पता लगाया जाना चाहिए। साथ ही, बाकी प्रोजेक्ट का सर्वे किया जाना चाहिए और एक हफ्ते के अंदर डिटेल्ड रिपोर्ट पेश की जानी चाहिए।' कौर ने यह भी कहा, 'शहर में प्राइवेट जगहों पर वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट लागू करने वालों के लिए 17 ऑर्गनाइज़ेशन काम कर रहे हैं। इन ऑर्गनाइज़ेशन के प्रतिनिधि प्राइवेट जगहों को वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में सही गाइडेंस देंगे।' म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को शुरुआती जानकारी है कि शहर में गीले कचरे को प्रोसेस करने वाले करीब दो हजार प्रोजेक्ट हैं। इन सभी प्रोजेक्ट का सर्वे किया जाएगा। शहर की बड़ी सोसाइटियों को गीले कचरे को प्रोसेस करने वाले प्रोजेक्ट लगाने पर इनकम टैक्स में छूट मिल रही है। जानकारी है कि असल में उन्हें प्रोसेस नहीं किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में एक व्यक्ति के खिलाफ कंपनी का 'डेटा' चुराने का मामला दर्ज किया गया है।

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः पश्चिम बंगाल में एक कर्मचारी के खिलाफ कंपनी की

गोपनीयता की शर्तों का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया गया है। कर्मचारी ने कंपनी का डेटा चुराया था। यह घटना बारणे में सामने आई।

इस मामले में कंपनी की एक महिला अधिकारी ने बावधन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बावधन इलाके की एक कंपनी में काम करता था। कंपनी ने उसे एक ऑफिशियल ईमेल छ्र दी थी। उसने उस ईमेल छ्र की जानकारी अपनी पर्सनल ईमेल छ्र पर भेजी। उसने कुछ जानकारी अपने भाई को भी ईमेल के जरिए भेजी। उसने कंपनी के डिजाइन और ड्राइंग चुरा लिए। उसके खिलाफ कंपनी की गोपनीयता की शर्तों का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया गया है। बावधन पुलिस जांच कर रही है।

मस्ती 4 का प्रिमियर तारीख 20 नवंबर 2025 को बॉलीवुड कलाकारों के साथ लोगों ने भी मस्ती में किया मस्ती, आज होगी मस्ती 4 रिलीज

संवाददाता

शोएब म्यानुंर मुंबई

मुंबई के अंधेरी वेस्ट क्लब इल्यूसन में हुआ मस्ती भरे माहौल के साथ फिल्म मस्ती 4 का यादगार इवेंट ब्राईट मिडिया के योगेश लाखानी, फिल्म एक्टर सुरेश ओबेरॉय, विवेक ओबेरॉय, सुनील पाल, के साथ बॉलीवुड के कई सितारे मस्ती भरी इस साम में सामील हुए और मस्ती भरे माहौल में मस्ती का इवेंटि हुआ।

फिल्म मस्ती का आज पीवीआर मुवी में प्रिमियर शो होगा और कल एककीस 21 को आज होगी मस्ती 4 नागरिकों के लिए रिलीज।

ठंड होगी कम, बारिश की दस्तक! आने वाले दिनों का मौसम पूर्वानुमान जारी

मुन्ना मुजावर

पुणेः शहर और उसके आस-पास ठंड बढ़ गई है, वहीं अब मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि 21 से 24 नवंबर के बीच पुणे समेत मध्य और दक्षिणी महाराष्ट्र में आसमान में बादल छाए रहेंगे, जिससे न्यूनतम तापमान बढ़ेगा, साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बारिश भी होगी।

साफ आसमान, सूखा मौसम और उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण पिछले कुछ दिनों से मध्य महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान लगातार कम हो रहा है। इस वजह से शहर और उसके आस-पास गुलाबी ठंड भी पड़ रही है। पुणेकरों को दिन के मुकाबले मुख्य रूप से रात और सुबह के समय तेज ठंड का अनुभव हुआ है। इस वजह से कई जगहों पर रात में आग भी जलाई गई है। हालांकि, अब कुछ समय के लिए मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अनुपम कश्यपी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बुधवार से तापमान बढ़ सकता है। दक्षिणी और मध्य महाराष्ट्र में आसमान में बादल छाए रहेंगे और 21 से 24 नवंबर के बीच सांगली, कोल्हापुर, सोलापुर, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी जैसी कुछ जगहों पर हल्की

बारिश की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे लो प्रेशर एरिया की तीव्रता बढ़ सकती है और इसकी हलचल से राज्य के मौसम पर असर पड़ सकता है। इससे उत्तर से आने वाली ठंडी हवाओं का बहाव कुछ समय के लिए रुक सकता है और ठंड की तीव्रता कम हो सकती है।

इस सीजन में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया

इस सर्दी में अब तक का सबसे कम तापमान मंगलवार को दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, शिवाजीनगर में 9.5 डिग्री सेल्सियस और पाषाण में 9.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

भारी बारिश के बाद बहुत ज़्यादा ठंड

इस साल मानसून मई में ही आ गया था। तब से लेकर मानसून के वापस जाने तक बारिश होती रही। पूरे बारिश के मौसम में औसत से ज़्यादा बारिश दर्ज की गई। दिवाली के आसपास, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों में लो प्रेशर एरिया बना था और राज्य में बारिश हुई थी। नवंबर के पहले हफ़्ते से राज्य में ओले गिरने लगे थे। इस बीच, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ में पिछले कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसलिए, भारी बारिश के बाद अब ज़्यादा ठंड पड़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुमान के मुताबिक, मौसम की घटना 'ला नीना' की वजह से ठंड ज़्यादा पड़ सकती है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३ कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)